

Statement

Steps taken by Govt. to resolve the problems of Kala-Azar on national level

(1) Under the Modified Plan of Operation of the National Malaria Eradication Programme, appropriate type of insecticide is supplied to areas which have two or more cases per thousand population for under taking spray. This automatically comes as a preventive measure for Kala-azar also.

(2) A central Kala-Azar Survey Team has been approved to assess the situation of Kala-azar in the country.

(3) Production of Antimony Compound, the drug normally required for Kala-azar has been stopped up.

(4) For a few cases which do not respond to treatment by Antimony Compounds Pentamidine vials have been procured as assistance from W.H.O. They are being sent to the affected areas of West Bengal and Bihar.

Participation of Labourers in Management

72. SHRI GANANATH PRADHAN: Will the Minister of PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government have adopted any policy for the participation of labourers in the management on different Public Sector Undertakings;

(b) if so, the number of such public undertakings where the labourers have taken such part ; and

(c) the number of such undertakings where the labourers have not taken part and the reasons therefor?

THE MINISTER OF PRALIAMEN-TARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA): (a). Government introduced in October 1975 a Scheme for Workers' Participation in

Industry in manufacturing and mining units and another in January 1977 in commercial and service organisations in the public sector. The whole policy on workers' participation is now under review by a Committee.

(b) and (c). According to available information almost all eligible Central public sector units numbering 545 have either implemented the Scheme of October 1975 or initiated steps to do so or have made alternative arrangements.

बिहार में अन्नक की खानें

* 73. श्री राम नरेश कृशवाहा : क्या इस्रात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में अन्नक की ऐसी कुल कितनी खानें हैं जिनमें 1961 में कार्य चल रहा था तथा अब कितनी खानों में कार्य चल रहा है ;

(ख) यदि उनमें कोई कमी हुई है तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) इस उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए क्या उपाय किये जा रहे हैं; और

(घ) सरकार का अन्नक उद्योग में काम कम होने के परिणामस्वरूप बेरोजगार हुए पच्चीस लाख श्रमिकों के बारे में क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

इस्रात और खान मंत्री (श्री बीजू पटन-यक): (क) बिहार में 1961 में चालू अन्नक खानों की संख्या 432 थी। इस समय बिहार में चालू अन्नक खानों की संख्या 163 है।

(ख) चालू खानों की संख्या में कमी होने का कारण यह है कि अन्नक का मुख्यतः

निर्यात शीता है और उसकी मांग निम्नलिखित कारणों से कम होती रही है :—

- (1) अन्नक खण्डों के स्थान पर अन्नक और कृत्रिम पदार्थों से बनी वस्तुओं जैसे प्लास्टिक और पालिस्टीन का प्रयोग ।
- (2) ट्रांजिस्टर वाले उपकरणों का उपयोग जिसमें अन्नक की जरूरत नहीं होती ।
- (3) अमेरिका द्वारा अपने पास जमा भंडार से अन्नक की बिक्री ।
- (4) विश्व बाजारों में आमतौर पर मन्दी का दौर । बिहार की अनेक खानों उस राज्य में अन्नक खानों की देख भाल करने वाले व्यापारिक केन्द्रों की आन्तरिक समस्याओं के कारण भी बंद हो गई ।

(ग) अन्नक व्यापार निगम द्वारा शुद्ध अन्नक और अन्नक से बने माल के निर्यात को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं । ये निगम विदेशी सहयोग से कारखानों लगाने की सोच रहा है जिसमें निम्न लिखित माल तैयार होगा :—

- (1) गारा और बारीक अन्नक पाउड
- (2) अन्नक पत्र और माइकानाइट ;
- (3) अन्नक संचारित आदि :

अन्नक के नए उपयोगों का पता लगाने के लिए अनुसंधान और विकास सुविधाओं को बढ़ाने का भी प्रस्ताव है ।

ये सब उपाय छोटे अन्नक खण्डों और अन्नक कतरणों की विपणन क्षमता बढ़ाने के लिए किए जा रहे हैं क्योंकि अन्नक की मांग में कमी का सामान्यतः इन किस्मों पर ही सबसे बुरा असर पड़ा है ।

वाणिज्य मंत्रालय के अधीन 1976 में एक अन्नक सलाहकार समिति का गठन किया गया है जो निम्न लिखित बातों पर सलाह देगी :—

- (1) अन्नक के उत्पादन और निर्यात में सुधार ;
- (2) शुद्ध अन्नक और अन्नक उत्पादों का विकास; अन्नक आधारित उद्योगों का विकास और अन्नक उत्पादों का निर्यात ।

(घ) देश में जिन वर्षों में अन्नक खानों में सर्वाधिक उत्पादन होता था उन दिनों लगभग 16,000 मजदूर रोजना काम करते थे लेकिन अब यह संख्या घट कर 10,000 से भी कम रह गई है । उपयुक्त उपायों से अन्नक के निर्यात में सुधार होने की आशा है और फलस्वरूप स्थिति में भी सुधार होगा ।

Ad-hoc C.G.H.S. Doctors

*74. SHRI VASANT SATHE:

SHRI K. A. RAJAN:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that more than 650 'ad hoc' medical doctors belonging to Central Health Service Scheme are threatened with dismissal from service after having put in more than 10 years of service;

(b) if so, the facts thereof; and

(c) the steps taken or proposed to take to absorb these qualified doctors under the Scheme on regular basis?

THE MINISTER FOR HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI RAJ NARAIN): (a) to (c). On replacement by the U.P.S.C. selected candidates (335) of the 1977 Examination, the